गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

SI न्यूज़

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 03 अंक: 14 | गोरखपुर रविवार 28 सितम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

मुख्यमंत्री ने बलरामपुर को 825 करोड़ की 124 विकास परियोजनाओं की दी सौगात

जिसे जहन्नुम जाना है, वह गजवा ए हिंद के नाम पर अराजकता पैदा करने का प्रयास करेः मुख्यमंत्री

संवाददाता

बलरामपुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को बलरामपुर में अपने रौ में रहे। उन्होंने एक तरफ विकास की बातें कहीं तो दूसरी तरफ खुले शब्दों में कहा कि मैं दंगाइयों को चेतावनी देने यहां आया हूं। सीएम ने शारदीय नवरात्रि व विजयादशमी के पूर्व बलरामपुरवासियों को 825 करोड़ की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। सीएम ने कहा कि देवीपाटन मंडल को जल्द ही स्पोर्ट्स कॉलेज भी देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग रहते भारत में हैं, लेकिन गजवा ए हिंद का नारा लेकर यहां राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने का कुत्सित कार्य कर रहे हैं। हिंदुस्तान की धरती पर गजवा ए हिंद नहीं होगा। भारत की ध ?ती दैवीय-अवतारी, देश के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों के आदर्शों से संचालित होगी। गजवा ए हिंद की कल्पना या सपना देखना भी जहन्नुम में जाने के टिकट का रास्ता

देगा। जिसे जहन्नुम में जाना है, वह गजवा ए हिंद के नाम पर अराजकता पैदा करने का प्रयास करे। सीएम ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि छद्म रूप में जो लोग ऐसी गतिविधियों में लिप्त हैं, वे कान खोलकर सुन लें कि देर-सबेर उनका हाल भी छांगुर जैसा ही होना है। जलालुद्दीन ने अपना उपनाम छांगुर बाबा रख दिया था, क्योंकि उसका उद्देश्य था कि हिंदु भ्रम में रहें और वह समाज की आंखों में धूल झोंकता रहे, लेकिन पापी कितना भी प्रयास कर ले, उसके पाप का घड़ा भरना ही है। ध ?ती मां उसे बर्दाश्त नहीं कर पाएगी। छांगुर जैसे दुष्कर्मियों व राष्ट्रद्रोही तत्वों के द्वारा बलरामपुर की धरती से यही कार्य किया जा रहा था। जो लोग हिंदुस्तान की ध ?ती पर रहकर भारत और हिंदू विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं, ऐसे कालनेमियों से सतर्क रहना होगा और सख्ती से जवाब देना होगा। स्थानीय प्रशासन व पुलिस को सजग करना होगा और इनकी गतिविधियों के बारे में शासन को अवगत कराना होगा, जिससे इन पर सरकार नकेल कस सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों को शांति व विकास अच्छा नहीं लगता, क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते। इन्हें लगता है कि सरकार इनके सामने झुककर कार्य करेगी, लेकिन डबल इंजन सरकार का पहले दिन से निर्णय है कि अपराध व अपराधियों, गद्दारों व देशद्रोहियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य होगा। हमारी संवेदना बेटियों-बहनों, नौजवानों, गरीबों, किसानों, व्यापारियों-उद्यमियों, भारत को मां और महापुरुषों को सम्मान देने और भारतीय परंपरा-संस्कृति के प्रति आदर का भाव रखने वालों के लिए है। इन मूर्खों को यह भी नहीं पता कि आस्था के प्रतीकों को प्यार नहीं, सम्मान दिया जाता है। आस्था चौराहे पर प्रदर्शन की वस्तु नहीं, बल्कि अंतःकरण का विषय है। यह कमजोर और कायर हैं। जिन बच्चों के हाथों में कलम, नोटबुक, विज्ञान व गणित की पुस्तकें होनी चाहिए, उनके हाथों में 'आई लव मोहम्मद' का पोस्टर देकर कुछ लोग समाज में अराजकता पैदा कर रहे हैं। उनकी जिंदगी तो बर्बाद है, लेकिन यह लोग बच्चों की जिंदगी भी बर्बाद करने पर आमादा है। सरकार ऐसी अराजकता को स्वीकार नहीं करेगी। जिसने भी कानून हाथ में लिया, राहगीरों पर हमला, बेटियों की सुरक्षा पर सेंध, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आगजनी करने का दुस्साहस, पर्वों पर उपद्रव किया, बिना मांगे उसके जहन्नुम में जाने का टिकट कटवा देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास में हर व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। गांव-गांव का विकास हो रहा है।

विजय की करूर रैली में भगदड़ से 39 की मौत

टीवीके ने दिया 20 लाख मुआवजे का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के करूर में शनिवार शाम अभिनेता और राजनेता विजय की रैली में मची भीषण भगदड़ में 10 बच्चों और 16 महिलाओं सहित 39 लोगों की दुखद मौत हो गई। इस बड़ी त्रासदी के बाद चेन्नई में विजय के आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। विजय ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ितों की मदद के लिए सहायता राशि देने की घोषणा भी की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस घटना को राज्य की हाल की सबसे बुरी त्रासदियों में से एक बताते हुए, मद्रास उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश अरुणा जगदीशन के नेतृत्व में न्यायिक जाँच आयोग के गठन की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने स्थिति की समीक्षा के लिए चेन्नई में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक भी की। तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय ने एक बयान जारी कर इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। विजय ने कहा कि करूर में जो हुआ, उसे सोचकर उनका दिल और दिमाग गहरे भारीपन से भरा है। उन्होंने कहा कि अपनों को खोने के अपार दुःख को बयां

करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। उन्होंने सभी प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और इसे अपूर्णीय क्षति बताया। पीड़ितों की मदद के लिए, विजय ने घोषणा की कि वह मृतकों के परिवारों को 20 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि देंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि उनका तमिलगा वेत्री कझगम संगठन इलाज करा रहे घायलों को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। भगदड़ शाम करीब 7:30 बजे मची। यह तब हुआ जब दोपहर से ही विजय का इंतजार कर रहे हजारों लोग उनके प्रचार वाहन से संबोधन के दौरान आगे बढ़ने लगे।

'भीड़ प्रबंधन विफल, सख्त नीति जरूरी...'

तमिलनाडु के करूर में भगदड़ पर बोले कांग्रेस नेता थरूर

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के करूर में भगदड़ को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि यह बहुत ही दुखद और दर्दनाक स्थिति है। उन्होंने कहा, हमारे देश में भीड़ प्रबंधन में कुछ गड़बड़ है। हर साल कोई न कोई घटना होती ही रहती है। हमें बंगलूरू की घटना भी याद है। जब हम इन भगदड़ों में बच्चों के मारे जाने की खबर सुनते हैं तो बहुत दुख होता है। उन्होंने आगे कहा, सवाल यह है कि हम आम लोगों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक संगठित नीति बनाने के लिए क्या कर सकते हैं। थरूर ने कहा, लोग किसी राजनेता, फिल्म स्टार या क्रिकेटरों को सुनने के लिए जाते हैं। मूल बात यह होनी चाहिए कि कुछ नियम, मानक और प्रोटोकॉल होने चाहिए।थरूर ने कहा, मैं केंद्र और सभी राज्य सरकारों से आग्रह करता हूं कि वे किसी भी परिस्थिति में सभी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बहुत सख्त प्रक्रिया अपनाने पर सहमत हों, ताकि हमें इन खौफनाक भगदड़ों में अपनों के खोने का दुख न हो और बेवजह पीड़ा न झेलनी पड़े। कांग्रेस नेता ने कहा, दुनिया परिवर्तनशील है। बहुत सारे बदलाव हो रहे हैं। मैं लगातार न केवल विश्व व्यवस्था की बात कर रहा हूं, बल्कि विश्व अराजकता की भी चर्चा कर रहा है, जिसका हम सामना कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने आरएसएस के 'राष्ट्र प्रथम' भाव को सराहा, 100वीं वर्षगांठ से पहले दिया 'स्वदेशी' का मंत्र

● पीएम मोदी ने 'मन की बात' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100वीं वर्षगांठ से पूर्व उसकी निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने आरएसएस की स्थापना केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में बौद्धिक गुलामी से मुक्ति के उद्देश्य से किए जाने और एम.एस. गोलवलकर के योगदान को भी रेखांकित किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 126वें संस्करण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निस्वार्थ सेवा और अनुशासन की भावना की खुलकर प्रशंसा की। यह संबोधन विजयादशमी पर आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने से कुछ दिन पहले आया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरएसएस की असली ताकत उसकी त्याग, सेवा और अनुशासन की भावना है, और इसके स्वयंसेवकों के हर काम में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना सर्वोपरि रहती है। प्रधानमंत्री मोदी, जो स्वयं आरएसएस के प्रचारक रहे हैं, ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को बौद्धिक गुलामी से मुक्त कराने के उद्देश्य से 1925 में विजयादशमी के दिन आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि तब से आरएसएस की यात्रा प्रेरणादायक, उल्लेखनीय और अभूतपूर्व रही है। मोदी ने हेडगेवार के उत्तराधिकारी एम.एस. गोलवलकर की भी प्रशंसा की। उन्होंने गोलवलकर के कथन 'यह मेरा नहीं है, यह राष्ट्र का है' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संदेश ने लाखों स्वयंसेवकों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदा आने पर आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और 'वोकल फॉर लोकल' को खरीदारी का मंत्र बनाने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर खादी का कोई उत्पाद खरीदने का आग्रह किया।

तेजस्वी ने नीतीश की हालिया घोषणाओं पर उठाए सवाल, कहा-सरकार बताए कहां से आएगी इनके लिए राशि

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार की बजट तथा हालिया घोषणाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए रविवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को गुमराह कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने राजद कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, पिछले कुछ समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुल मिलाकर 7.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक की घोषणाएं कर चुके हैं, जबकि राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी बड़ी योजनाओं को संभालने में सक्षम नहीं है।

सम्पादकीय...

गृहमंत्री अमित शाह का जम्मूकश्मीर पर फोकस

कश्मीर में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समाज सुधार के नाम पर आतंक फैलाने में लगी है। आईएसआई ने कार्यकताओं का नेटवर्क बनाया है जो महिला सशक्तीकरण और पर्यावरण संरक्षण के नाम पर राष्ट्रविरोधी एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। ये कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर अलगाववादी सोच का समर्थन करते हैं और भारत की नकारात्मक छवि पेश करते हैं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके पाले हुए आतंकी संगठन अब समाज सुधार के नाम पर कश्मीर में आतंक और अलगाववाद के विचारों के पोषण में जुटे हैं।पाकिस्तानी हैंडलरों ने ऐसे तथाकथित कार्यकताओं का नेटवर्क तैयार कर लिया है, जो कभी महिला सशक्तीकरण और कभी पर्यावरण संरक्षण की आड़ लेकर राष्ट्रविरोधी एजेंडे को हवा देते हैं। यह कार्यकर्ता इंटरनेट मीडिया से लेकर अन्य मंचों का धड़ल्ले से प्रयोग करते हैं और राष्ट्रविरोधी गतिविधियां चलाते हैं। वे भारत की नकारात्मक छवि देश–दुनिया में गढ़ने में जुटे रहते हैं। इनका नेटवर्क कश्मीर से लेकर कुवैत व तुर्किये में फैला है। आरोपितों में व्यापारी, सरकारी कर्मी से लेकर युवा शामिल हैं। खूफिया तंत्रों से मिल रहे इन्पुट के आधार पर भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले कुछ दिनों में कई ऐसे ऐतिहासिक निर्णय लिये जो इस नेटवर्क की रीढ़ तोड़ने के लिए काफी होगे। अभी ऐसे कई और फैसले भारत सरकार का गृह मंत्रालय ले सकता है जो इस नेटवर्क की नींद हराम कर देगा। अभी हाल में श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, हंदवाड़ा, कुपवाड़ा और बारामुला में की गई छापेमारी में कुछ आपत्तिजनक डिजिटल सुबूत बरामद हुए हैं और मोबाइल फोन, सिमकार्ड और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए हैं। इसके बाद से गृहमंत्री प्रतिदिन जम्मूकश्मीर को लेकर वृहद रणनीति पर कार्य कर रहे है। गृहमंत्री ने बीते कुछ दिनों में जम्मू–कश्मीर से जुड़े 18 बड़े निर्णायक लिए जिसका सीधा सरोकार वहा के अमनचैन और विकास से जुड़ा है। पाँच लाख हिंदू और सिख परिवारों को कश्मीर की नागरिकता, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती की सभी विशेष शक्तियाँ वापस और दोनों नेताओं का जम्मू–कश्मीर नेशनल यूनिवर्सिटी पर रहा नियंत्रण समाप्त कर दिया गया। हिंदू मंदिरों पर से सरकारी नियंत्रण खत्म, 1990 के अवैध कब्जों के खिलाफ अब कोई भी स्थानीय प्राधिकरण शिकायत दर्ज कर सकेगा। उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को पहले जो कानूनी सुरक्षा मिली हुई थी, उसे खत्म कर दिया गया हैय अब उन्हें पब्लिक सेफ्टी एक्ट में ट्रायल किया जा सकेगा और किसी भी जेल में, यहाँ तक कि राज्य के बाहर भी, रखा जा सकता है। सचिवालय का वार्षिक स्थानांतरण अब समाप्त कर दिया गया है, और यह स्थायी रूप से जम्मू में ही रहेगा। जम्मू–कश्मीर की सभी सुविधाएँ अब सीधे केंद्र सरकार से जनता तक पहुँचेंगी, राज्य सरकार का हस्तक्षेप नहीं होगा। वहाँ की जनता के पुराने रिकॉर्ड और दस्तावेजों की गहन जाँच की जा रही है।उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती से सरकारी आवास और गाड़ियों की सुविधा भी हटा दी गई है। दिल्ली जिन विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम नियंत्रित करती है, अब उनमें बदलाव किया जा रहा है। हिंदू मंदिरों के ट्रस्ट अब सीधे गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करेंगे। कश्मीर वक्फ बोर्ड अब दिल्ली वक्फ बोर्ड के अधीन कर दिया गया है।

राशिफल

मेषः– आज सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी आपको देते हैं। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा। बाहर के खानपान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य समयानुसार पूर्ण नहीं होंगे। व्यवसाय में भी संभलकर चलने की गणेशजी सलाह देते हैं।

वृषभः– आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने–फिरने से आनंद–उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुनः– आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने–फिरने से आनंद–उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्कः– गणेशजी कहते हैं कि भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद–विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंहः– आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्याः– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुलाः– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी।

लद्दाख हिंसा: जेन-जैड तो महज संभावित लाभार्थी हैं

विजय विद्रोही

लेह लद्दाख में जो कुछ हुआ उसे जेन–जी या जेन–जैड कहने वाले बहुत मिल रहे हैं। उत्तराखंड में परीक्षा पेपर लीक

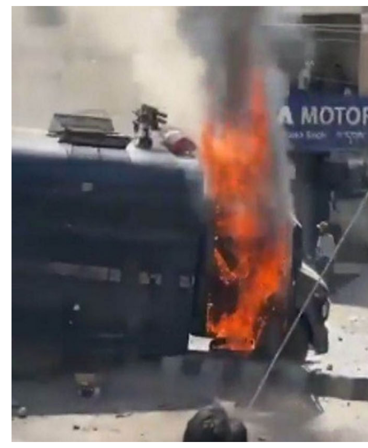

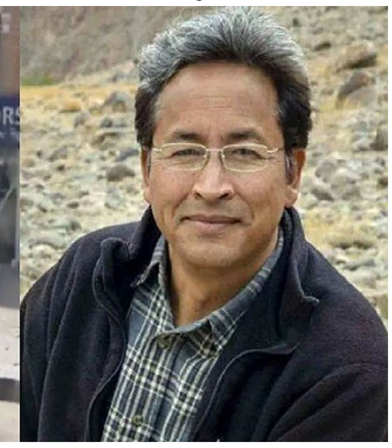

का विरोध करने को भी जेन–जी बताया जा रहा है लेकिन लद्दाख अशांति की वजह के बीज तो 5 साल पहले ही पड़ चुके थे। पेपर लीक पूरे उत्तर भारत के बेरोजगारों का पुराना दर्द है। कब तक लोग वायदों के झुनझुने से दिल को तसल्ली देते रहेंगे, कब तक छात्र पेपर लीक के शिकार होते रहेंगे, कब तक राजनीतिक दल झूठे आश्वासन देकर वोट हासिल करते रहेंगे, कब तक नौकरी लगने की उम्मीद में छात्र ओवर एज होते रहेंगे, एक दिन तो गुस्सा भड़केगा ही, फिर यह किसी अकेले का गुस्सा नहीं है। जम्मू–कश्मीर की बात करें तो 2019 में धारा 370 हटाई जाती है। जम्मू–कश्मीर से लद्दाख को अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाता है जिसकी अपनी कोई विधानसभा भी नहीं होती। जम्मू–कश्मीर को अलग से केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाता है लेकिन विधानसभा की व्यवस्था की जाती है। दोनों को भरोसा दिया जाता है कि उचित समय आने पर राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा। लद्दाख को छठी अनुसूची में डालने का वायदा किया जाता है, इसका मतलब है कि करीब 98 फीसदी अनुसूचित जन जाति को उत्तर पूर्व के आदिवासी बहुल राज्यों की तरह अधिकारों और केंद्र से वित्तीय सहयोग यानी एक तरह से संवैधानिक सुरक्षा मिलना है। इसके अलावा स्थानीय जनता कारगिल और लेह को अलग–अलग लोकसभा सीट बनाने और सरकारी नौकरियों में स्थानीय भर्ती की मांग कर रही है लेकिन 2025 पूरा होने को है और वादे पूरे नहीं हुए हैं। खासतौर से अभी तक पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल किया जाना बाकी है। वैसे जम्मू–कश्मीर की जनता भी केन्द्र सरकार को बार–बार फिर से राज्य का दर्जा देने के वादे को याद दिलाती रहती है। अब कई मैदानी इलाकों में भाजपा शासित राज्यों में स्थानीय नौकरी के कानून बनाए (सुप्रीम कोर्ट में रोक दिए गए) जा सकते हैं तो लद्दाख में क्यों नहीं? ऐसा भी नहीं है कि एल.जी. के माध्यम से केंद्र सरकार बात नहीं कर रही। जनवरी, 2003 में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था, उसके बाद बातचीत के कुछ दौर भी चले हैं। इसमें सोनम वांगचुक का संगठन भी शामिल है लेकिन बातचीत की गति धीमी है, इसमें तेजी लाने के लिए लेह से दिल्ली तक पैदल मार्च भी वांगचुक को करना पड़ता है। अब 6 अक्तूबर को बातचीत का अगला दौर होना था। वांगचुक भूख हड़ताल पर थे। उनके 2 साथियों को तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उसने ट्रिगर प्वाइंट का काम किया। झूषहसा हुई, झूषहसा होने के विरोध में सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल तोड़ दी लेकिन निशाना उन पर लगाया जा रहा है, उन्हें देशद्रोही बताया जा रहा है, यह मूल समस्या से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश ही है। अब कहा जा रहा है कि सोनम वांगचुक ने युवा वर्ग को भड़का दिया। राहुल गांधी की कांग्रेस उकसाने का काम कर रही है। नेपाल, बंगलादेश, श्रीलंका को भारत में दोहराना चाहते हैं राहुल गांधी जबकि वास्तविकता यह है कि लद्दाख की समस्या एक राजनीतिक समस्या है (जिसका जुड़ाव चुनावी मुनाफे से है) और इसका राजनीतिक समाधान ही अंतिम समाधान है जो केन्द्र और लद्दाख के सियासी, सामाजिक संगठनों को मिलकर निकालना है, जेन–जैड तो महज संभावित लाभार्थी हैं। फैशन हो गया है जेन–जैड की बात करना। हो सकता है कि कुछ लोगों को ऐतराज हो लेकिन सच्चाई यह भी है कि 14 से 28 साल की जैनरेशन का एक बड़ा हिस्सा दो जी.बी. डाटा दिन में खर्चने पर ज्यादा ध्यान देता है। इस पीढ़ी में अजीब तरह का लापरवाही भरा अंदाज भी नजर आता है। इस पीढ़ी की कितनी राजनीतिक समझ है, कितना सामाजिक, राजनीतिक आंदोलनों के बारे में जानती है, मुझे तो कम से कम गलतफहमी नहीं है। कुल मिलाकर यह पीढ़ी अपना बुरा–भला सोचती भी है और समझती भी है लेकिन इससे आगे इस पीढ़ी को जिम्मेदार और जवाबदेह बनाने का काम सोनम वांगचुक जैसे लोग ही कर सकते हैं। युवा स्वभाव से ही विद्रोही होता है, बेसब्र होता है, बहकने की गुंजाइश ज्यादा रहती है और बदलाव चाहता है लेकिन हर सत्ता परिवर्तन का मतलब बदलाव नहीं होता। व्यवस्था परिवर्तन जरूर बदलाव की दिशा में आता है लेकिन यह काम व्यवस्था के अंदर जाकर ही किया जा सकता है, नारेबाजी, आगजनी, सोशल मीडिया पोस्ट से नहीं। यहां अब उत्तराखंड की बात करना जरूरी हो जाता है। पूरी कहानी चार वाक्यों में समेटी जा सकती है। फिर एक पेपर लीक होता है, फिर पुलिस एक–आध को गिरफ्तार करती है, फिर लड़के सड़कों पर आते हैं, फिर मुख्यमंत्री नकल जेहाद के खात्मे की कसम खाते हैं, जेहाद का यह सरलीकरण है या नकल यानी पेपर लीक को भी हिंदू–मुस्लिम के चश्मे से देखने की कोशिश होती है।

कुछ खास...

किसी उत्सव के लायक नहीं है जी.एस.टी. दरों में कटौती

पी. चिदम्बरम

आर.बी.आई. के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित होने वाला एक लेख, जिसका मैं

हर महीने बेसब्री से इंतजार करता हूं, वह है अर्थव्यवस्था की स्थिति। इसकी शुरूआत में एक चेतावनी है जो मुझे हमेशा प्रभावित करती है। इसमें लिखा है, उप–गवर्नर डा. पूनम गुप्ता द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और टिप्पणियों का आभार। इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। यह कोई रहस्य नहीं है कि गवर्नर की स्वीकृति के बिना आर.बी.आई. का एक भी शब्द बच नहीं सकता। यहां तक कि किसी उप–गवर्नर का अकादमिक शोधपत्र या भाषण भी गवर्नर द्वारा अनुमोदित होता है। कोई भी इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेता और लेख को व्यापक रूप से पढ़ा जाता है और खूब उद्धृत किया जाता है।

लेख में एक शब्द कई बार आता है अनिश्चितता। सरकार और आर.बी.आई. द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बावजूद, मुद्रास्फीति, कीमतों, रोजगार, वेतन और मजदूरी, निवेश, आय कर और विदेशी व्यापार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता गैर–आर्थिक क्षेत्रों जैसे सार्वजनिक परीक्षा, मतदाता सूची और चुनाव, कानून और उनका क्रियान्वयन, विदेश नीति, पड़ोस नीति आदि पर भी फैल रही है। दरअसल अनिश्चितता ही देश की वर्तमान स्थिति को परिभाषित करती है।मौजूदा अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों के लिए ठप्प का जवाब वही चिर–परिचित रट है कि अर्थव्यवस्था लचीली है। सरकार की तरह, ठप्प भी तिनके का सहारा ले रहा है। सबसे ताजा तमाशा जी.एस.टी. दरों में कटौती है। आर.बी.आई. दरों में कटौती को ऐतिहासिक जी.एस.टी. सुधार बता रहा है। कर की ऊंची और बहुविध दरों में कटौती जो मूल पाप थे, आखिर सुधारात्मक क्या है? जी.एस.टी. कानूनों का डिजाइन गलत था, कर ढांचा गलत था, नियम और कानून गलत थे, कर दरें गलत थीं और जी.एस.टी. कानूनों का क्रियान्वयन गलत था। मेरी राय में, त्रुटिपूर्ण बहुविध कर दरों को सुधारना कोई क्रांतिकारी सुधार नहीं है। हालांकि, जी.एस.टी. दरों में कटौती से अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी है। जी.एस.टी. दरों में कटौती से उपभोक्ताओं के हाथ में लगभग 2,00,000 करोड़ रुपए आने की उम्मीद है। 2025–26 में 357,00,000 करोड़ रुपए के नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले अतिरिक्त धन 0.56 प्रतिशत है। भारत में वार्षिक खुदरा बाजार का अनुमान 82,00,000 करोड़ रुपए है और अतिरिक्त धन 2.4 प्रतिशत होगा। अतिरिक्त खुदरा व्यय से उपभोग तो बढ़ेगा लेकिन अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव बहुत बढ़ा–चढ़ाकर बताया गया है। इसके अलावा 2,00,000 करोड़ रुपए का सारा हिस्सा उपभोग में नहीं जाएगा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, घरेलू ऋण बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत हो गया है और घरेलू बचत घटकर सकल घरेलू उत्पाद का 18.1 प्रतिशत रह गई है। इसलिए, परिवारों के हाथ में जीएसटी का कुछ धन ऋण कम करने में और कुछ बचत बढ़ाने में जाएगा। मैं मानता हूं कि उपभोग व्यय में वृद्धि होगी लेकिन क्या इससे उपभोग, उत्पादन और निवेश के चक्र को कोई महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा?

सेलेना गोमेज ने 33 की उम्र में बेनी ब्लैंको संग रचाई शादी, तस्वीरें हुईं वायरल

हॉलीवुड सिंगर और एक्ट्रेस सेलेना गोमेज ने शनिवार को अमेरिकन रिकॉर्ड प्रोड्यूसर और सॉन्ग राइटर बेनी ब्लैंको से शादी कर ली। सेलेना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यार भरी पोस्ट के साथ इस खबर की घोषणा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की गई तस्वीरों और वीडियो में, यह कपल एक लॉन में तस्वीरों के लिए पोज देते हुए एक-दूसरे को किस और गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। काफी समय से सेलेना अपनी शादी को लेकर चर्चा में थी। इतना ही नहीं, सगाई के बाद उन्होंने अपने दोस्तों के साथ बैचलरेट पार्टी एन्जॉय की और प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन के बाद में ही उनका वेडिंग फंक्शन सेलिब्रेट किया।

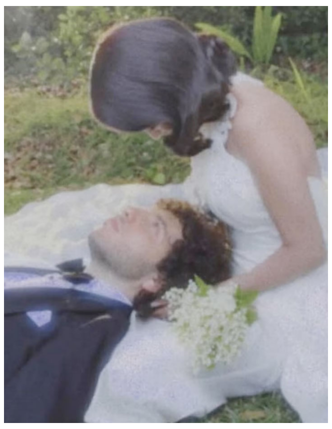

क्रिश्चियन रीति-रिवाज से हुई शादी

सेलेना गोमेज ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रैंड बेनी ब्लैंको से कल यानी के 27 सितंबर 2025 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी रचाई है। पहले ही उन्होंने अनाउंस कर दिया था कि वह सितंबर महीने में बेनी के साथ शादी करेंगी और अब वह रियल लाइफ में बेनी ब्लैंको की मिसेस बन गई हैं।

सिंपल लुक में सेलेना का जादू

बता दें कि, सेलेना और बेनी के वेडिंग लुक में दोनों ही अपने-अपने आउटफिट में कमाल के लग रहे हैं। ब्राइड ने बैकलेस व्हाइट लॉन्ग गाउन पहना था जिसे उन्होंने मिनिमल डायमंड इयररिंग्स से स्टाइल कर रखा था। खुले बालों में उनकी प्यारी से मुस्कान खूबसूरती बिखेर रही है। बेनी ब्लैक टक्सीडो में हैंडसम लग रहे थें।

सेलेना की पोस्ट पर बेनी का रिएक्शन

पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, बेनी ने कहा, "रियल लाइफ में मेरी पत्नी।" एक प्रशंसक ने कहा, "आपके लिए बहुत खुश हूं!! बधाई हो, क्वीन; आप दुनिया भर के प्यार की हकदार हैं!" एक व्यक्ति ने लिखा, "आप दोनों के लिए बहुत खुश हूं। बधाई!"

जानवर द बीस्ट विदिन: अपराध की तह में छिपी है समाज की कड़वी सच्चाई

जब कोई धारावाहिक रोमांचक अपराध कथा को गहन सामाजिक मुद्दों, समृद्ध लोककथाओं, पौराणिक प्रसंगों और मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़ता है, तब यह निश्चित होता है कि आपको एक अद्वितीय देखने योग्य अनुभव मिलने वाला है। जनावर भीतर का दरिंदा बिल्कुल वैसा ही है। एक प्रभावशाली अपराध-रोमांचक कथा, जिसमें भावनाएँ और तीव्रता का ऐसा संगम है कि यह आरंभिक दृश्य से ही आपको बांध लेती है।

क्यों जानवर द बीस्ट विदिन आपके सप्ताहांत देखने की सूची में होना चाहिए

1. अपराध का ऐसा जाल जो बनाए रखता है उत्सुकता

एक सिरकटी लाश, लापता हुआ सोना और रहस्यमय ढंग से गायब हुआ व्यक्तिकृजनावर द्द भीतर का दरिंदा आपको सीधे एक भयावह और अस्थिर कर देने वाली रहस्यमय दुनिया में पहुंचा देता है। हर मोड़ एक नई परत खोलता है और आपको लगातार यह सोचने पर विवश करता है कि वास्तविक अपराधी कौन है, कौन क्या छिपा रहा है और इन सभी सूत्रों का आपस में क्या संबंध है।

2. नायक जो फंसा है दो पाटों के बीच

उप-निरीक्षक हेमंत (भुवन अरोड़ा) पारंपरिक नायक नहीं हैं। वह अपनी कर्तव्यनिष्ठा और निजी संघर्षों के बीच जूझते हुए व्यक्ति हैं। उनकी यह यात्रा, जिसमें संवेदनशीलता और तीव्रता दोनों हैं, दर्शकों को उनसे भावनात्मक रूप से जोड़ती है और कथा में गहराई उत्पन्न करती है।

3. जाति और पहचान की पड़ताल

रोमांच और रहस्य से परे, जनावर भीतर का दरिंदा समाज की कठोर सच्चाइयों से टकराती है विशेष रूप से जातिगत भेदभाव और व्यवस्था की कड़वी वास्तविकताओं से। मूल रूप से यह कथा है पहचान, गरिमा और स्वीकार्यता के संघर्ष की, जो इसे उतना ही सार्थक बनाती है जितना रोचक।

4. भुवन अरोड़ा का प्रभावशाली अभिनय

फर्जी में दर्शकों का दिल जीतने के बाद, भुवन अरोड़ा एक बार फिर उप-निरीक्षक हेमंत कुमार के रूप में अपनी प्रतिभा सिद्ध करते हैं। उनके अभिनय में संवेदनशीलता और कठोरता का संतुलित मेल दिखाई देता है, जिससे यह उनके सबसे प्रभावशाली पात्रों में से एक बन जाता है।

5. शचिन्द्र वत्स का सशक्त निर्देशन

निर्देशक शचिन्द्र वत्स अपराध, सामाजिक टिप्पणी और मानवीय नाट्य को अत्यंत संतुलन से पिरोते हैं। उनकी निर्देशन शैली कथा को वास्तविकता से जोड़कर रखती है और साथ ही तनाव व रोमांच को निरंतर बढ़ाती है। यही कारण है कि जनावर द्द भीतर का दरिंदा उतनी ही सोचने पर विवश करती है जितनी रोमांचक है। शक्तिशाली अभिनय, डूबो देने वाली कथा और रहस्य से भरपूर हत्या-रहस्य के साथ, जनावर द्द भीतर का दरिंदा वह धारावाहिक है जिसे आप एक ही बैठक में देखना चाहेंगे अब केवल जी5 पर उपलब्ध।

जुबीन गर्ग की याद में गुवाहाटी विश्वविद्यालय का ऐतिहासिक निर्णय, सिंगर के नाम पर रखा कला एवं संस्कृति केंद्र का नाम

फेमस सिंगर जुबीन गर्ग अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनकी 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से मौत हो गई, जिसने उनके चाहने वालों को हिला कर रख दिया। जुबीन के निधन के बाद अभी तक भी उनके फैंस, करीबी और कई बड़ी हस्तियां उन्हें श्रद्धांजलि देती नजर आ रही हैं। वहीं, हाल ही में गुवाहाटी विश्वविद्यालय ने अपने प्रदर्शन कला और संस्कृति केंद्र का नाम अब सिंगर जुबीन गर्ग के नाम पर रखने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, लोकप्रिय गायक और युवाओं के प्रेरक जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि देने तथा उनकी अमर रचनाओं को संरक्षित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने चार प्रमुख प्रस्तावों को स्वीकार किया है।उनके निधन के बाद विश्वविद्यालय ने अपने प्रदर्शन कला और संस्कृति केंद्र का नाम जुबीन गर्ग के नाम पर रखने का फैसला लिया है, ताकि उनके योगदान को हमेशा याद रखा जा सके। गायक की याद में केंद्र के सामने उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी और उनके जीवन तथा संगीत यात्रा पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक भी प्रकाशित की जाएगी। युवा कलाकारों को प्रेरित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने यह भी निर्णय लिया है कि उनके अंतर-कॉलेज युवा महोत्सव में गायन प्रतियोगिता में जुबिन गर्ग के गीत नामक एक विशेष श्रेणी जोड़ी जाएगी। इससे छात्रों को जुबिन गर्ग के संगीत और उनके अद्वितीय गायन शैली को करीब से जानने और अनुभव करने का मौका मिलेगा। जुबीन गर्ग ने अपने करियर में सैकड़ों सुपरहिट गानों को आवाज दी है। विशेष रूप से 1998 में रिलीज हुई फिल्म दिल से के संगीत में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। आईएमडीबी के अनुसार, जुबिन ने अब तक 222 फिल्मों में अपने सुरों और संगीत के जादू से लोगों का दिल जीता है।

तुम्हें पाकर मैं धन्य हूं...

बेटे रणबीर के बर्थडे पर नीतू कपूर ने दिल खोलकर लुटाया प्यार, पोस्ट वायरल

बॉलीवुड के चमकते सितारे रणबीर कपूर रविवार को अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनकी मां और एक्ट्रेस नीतू कपूर ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावनात्मक पोस्ट शेयर की है। अपने पोस्ट में एक्ट्रेस ने बेटे के लिए अपना प्यार जाहिर किया है, जिस पर फैंस और अन्य सेलेब्स के खूब कमेंट्स आ रहे हैं। नीतू कपूर ने बेटे को बर्थडे विश करते हुए एक प्यारी तस्वीर शेयर की है जिसमें वह रणबीर और उनकी प्रेमिका आलिया भट्ट के साथ फैमिली टाइम का आनंद लेते नजर आ रही हैं। फोटो में आलिया और रणबीर हल्की मुस्कान के साथ एक-दूसरे के सिर को छूते दिखाई दे रहे हैं, जबकि नीतू उनके बगल में बैठी हैं और बेटे के साथ इस खास पल का आनंद ले रही हैं। इस तस्वीर के साथ नीतू कपूर ने कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यारे बेटे। तुम्हें पाकर मैं खुद को बहुत धन्य पाती हूं। वहीं, रणबीर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने भी अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इनमें एक दुर्लभ और अनदेखी तस्वीर शामिल है, जिसमें रणबीर अपने माता-पिता, दिवंगत ऋषि कपूर और नीतू कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। रिद्धिमा ने इस तस्वीर के साथ लिखा, हमारे परिवार के रॉकस्टार को। हैप्पी बर्थडे, लव यू भाई।नीतू और रिद्धिमा का ये पोस्ट देख सोशल मीडिया पर फैंस और बॉलीवुड की कई हस्तियां भी रणबीर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगे।

अक्सर सांस फूलने की दिक्कत ने कर दिया है परेशान?

कमजोर तो नहीं हो गया आपका दिल और फेफड़े

अक्सर सांस फूलने की समस्या को हल्के में न लें, ये गंभीर बीमारियों का एक चेतावनी संकेत हो सकता है। अगर यह बार-बार हो रहा है या बिना वजह हो रहा है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। क्या आपको भी सीढ़ियां चढ़ते या हल्का सा काम करने पर सांस चढ़ने की दिक्कत महसूस होती है? सांस फूलने की समस्या बहुत आम है, ये किसी को भी हो सकती है। आमतौर पर लोग इसे थकान या उम्र बढ़ने का असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, हालांकि अगर ये दिक्कत आपको अक्सर बनी रहती है तो सावधान हो जाइए, कुछ स्थितियों में ये गंभीर और जानलेवा समस्याओं का संकेत भी हो सकती है। सांस फूलने की समस्या को आमतौर पर फेफड़ों में होने वाली दिक्कत मानकर अनदेखा कर दिया जाता है। डॉक्टर बताते हैं, हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थिति में भी लोगों को सांस फूलने की गंभीर दिक्कत देखी जाती रही है। हार्ट अटैक में सांस फूलना तो सबसे आम और शुरूआती लक्षणों में से एक है।

सांस फूलने की दिक्कत को न करें इग्नोर

डॉक्टर कहते हैं, अक्सर सांस फूलने की समस्या को हल्के में न लें, ये गंभीर बीमारियों का एक चेतावनी संकेत हो सकता है। अगर यह बार-बार या बिना वजह हो रहा है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। यहां ध्यान देने वाली बात ये भी है कि हर बार सांस फूलने की दिक्कत हार्ट अटैक ही नहीं होती है। इसलिए इसके सही कारणों को समझना और उसके आधार पर इलाज प्राप्त करना बहुत जरूरी हो जाता है।

हार्ट अटैक में सांस फूलने की दिक्कत

शोध बताते हैं कि करीब 40% हार्ट अटैक के मरीजों में सांस फूलने की शिकायत देखी जाती है। यह संकेत है हृदय पर बहुत ज्यादा दबाव का होता है जिसमें तुरंत मेडिकल मदद लेनी चाहिए। जब किसी व्यक्ति को हार्ट अटैक होता है, तो हृदय की मांसपेशियों को रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति अचानक रुक जाती है। हृदय सही तरीके से पंप नहीं कर पाता और फेफड़ों में खून का दबाव बढ़ने लगता है। इससे ऑक्सीजन का स्तर घट जाता है और रोगी को तुरंत सांस लेने में कठिनाई होने लगती है। यही कारण है कि हार्ट अटैक के साथ सीने में दर्द के अलावा अचानक सांस फूलना एक आम लक्षण है।

अस्थमा अटैक भी हो सकता है कारण

हार्ट अटैक में सांस की होने वाली ये दिक्कत अस्थमा के रोगियों में भी देखी जाती रही है।

अस्थमा फेफड़ों की क्रॉनिक बीमारी है जिसमें वायुमार्ग में सूजन हो जाती है। जब किसी को अस्थमा का अटैक आता है तो उसे सीटी जैसी आवाज के साथ सांस लेने में तकलीफ होने लगती है जिसके कारण वह तेज-तेज सांस लेने लगता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनियाभर में लगभग 26 करोड़ लोग अस्थमा से प्रभावित हैं और उनमें सांस फूलना सबसे आम लक्षण है। अस्थमा का समय पर इलाज और बचाव के उपाय करते रहना बहुत जरूरी है, ये गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है।

आपको एनीमिया तो नहीं?

बार-बार सांस फूलने की दिक्कत एनीमिया का भी संकेत हो सकती है। एनीमिया की स्थिति में शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम हो जाती है। हीमोग्लोबिन का काम शरीर तक ऑक्सीजन पहुंचाना है। जब खून में पर्याप्त हीमोग्लोबिन नहीं होता, तो ऑक्सीजन पूरे शरीर तक सही मात्रा में नहीं पहुंच पाती। इसके कारण थोड़ी सी मेहनत या चलने-फिरने पर भी सांस फूलने लगती है। आंकड़ों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर लगभग 25% आबादी एनीमिया का शिकार हो सकती है। महिलाओं और बच्चों में यह समस्या अधिक देखी जाती है।

आंखों की जांच से अब सिर्फ नजर ही नहीं इस जानलेवा कैंसर की भी हो सकेगी पहचान

कैंसर के बढ़ते मामले दुनियाभर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बने हुए हैं, चिंता इसलिए क्योंकि इस रोग से सबसे अधिक मौतें होती हैं। पुरुषों में फेफड़े-मुंह और प्रोस्टेट जबकि महिलाओं में स्तन, सर्वाइकल और गर्भाशय के कैंसर के केस सबसे अधिक रिपोर्ट किए जाते रहे हैं। इसके अलावा भी कुछ और प्रकार के कैंसर हैं जो स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा रहे हैं। ब्लड कैंसर उनमें से एक है, जिसके मामले हाल के वर्षों में काफी तेजी से बढ़े हैं। आज पूरी दुनिया कैंसर से परेशान है। अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी (आईएआरएस) की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में लगभग 2 करोड़ नए कैंसर के मामले सामने आए और लगभग 97 लाख कैंसर से संबंधित मौतें हुईं। ब्लड कैंसर का खतरा भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। साल 2022 में रक्त कैंसर के लगभग 55.7 लाख मामले रिपोर्ट किए गए। डॉक्टर कहते हैं, इस कैंसर की जो रफ्तार देखी जा रही है, उसे लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

पहले जान लीजिए कि ब्लड कैंसर होता क्या है?

ब्लड कैंसर यानी खून का कैंसर। हमारा खून लाल कोशिकाओं, सफेद कोशिकाओं और प्लेटलेट्स से मिलकर बना है। जब ये कोशिकाएं गड़बड़ तरीके से बनने लगती हैं और शरीर में अनियंत्रित रूप से फैल जाती हैं, तब इससे ब्लड कैंसर का खतरा हो सकता है। इसके कारण शरीर में ऑक्सीजन ले जाने, इंफेक्शन से लड़ने और खून जमने की क्षमता कम हो जाती है। ल्यूकेमिया (जिसमें खून और बोन मैरो में असामान्य सफेद कोशिकाएं तेजी से बढ़ती हैं), लिम्फोमा (इम्यून सिस्टम और लिम्फ नोड्स को प्रभावित करने वाला) और मल्टीपल मायलोमा (जिसमें हड्डियों के अंदर मौजूद प्लाज्मा कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं) ये ब्लड कैंसर का सबसे आम प्रकार हैं। **ब्लड कैंसर का पता कैसे लगाया जाता है?:** ब्लड कैंसर की पहचान धीरे-धीरे की जाती है। जिन लोगों में इसका आनुवांशिक खतरा होता है या फिर जोखिम कारक होते हैं, डॉक्टर उन्हें कुछ जांच कराने की सलाह देते हैं। यह अध्ययन यूरोपियन जर्नल ऑफ कैंसर में प्रकाशित हुआ। इस रिपोर्ट में विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित नेत्र परीक्षणों के दौरान, ब्लड कैंसर का पता लगाया जा सकता है। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया कि आई स्कैन के दौरान विशेषज्ञ उन सूक्ष्म परिवर्तनों का पता लगा सकते हैं जो घातक कैंसर के विकास के बढ़ते जोखिम से जुड़े हैं। इस अध्ययन में ब्रिटेन के 1,300 से ज्यादा मरीजो के आई स्कैन का विश्लेषण करने के लिए एआई का इस्तेमाल किया गया। शोधकताओं ने पाया कि जिन रोगियों के आई स्कैन में कुछ असामान्य परिवर्तन थे, उनमें मायलोमा नामक रक्त कैंसर होने की आशंका अन्य लोगों की तुलना में सात गुना अधिक थी। इतना ही नहीं अगले 10 साल में इन लोगों में ल्यूकेमिया का होने की आशंका भी दो गुनी देखी गई।

रेटिना इमेज से चल सकता है कैंसर का पता

ब्लड कैंसर यूके नामक संस्था के अनुसार, फेफड़े और आंत के कैंसर के बाद, ब्लड कैंसर के कारण यूके में कैंसर से तीसरी सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। हर साल लगभग 16,000 लोगों की इससे जान जा रही है। इसके लिए कोई आसान स्क्रीनिंग टेस्ट भी नहीं है। अब शोधकताओं का कहना है कि क्रॉनिक इंफ्लेमेशन की स्थिति इसकी एक पहचान हो सकती है। रेटिना की रक्त वाहिकाओं में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तन इसका संकेत होते हैं जिसे आई स्कैन के दौरान देखा जा सकता है।

मां कालरात्रि का पसंदीदा भोग, नवरात्रि के सातवें दिन अवश्य करें अर्पित

शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की विशेष पूजा होती है, जो दुर्गा मां के नवरूपों में से एक शक्तिशाली स्वरूप हैं। इस दिन भक्त मां कालरात्रि की विशेष आराधना करते हैं ताकि वे अपने

जीवन से सभी भय, बाधाएं और नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकें। कहा जाता है कि मां कालरात्रि को गुड़ से बने पकवान बेहद प्रिय हैं, जो उनकी कृपा पाने का एक महत्वपूर्ण तरीका भी है। गुड़ के पकवान न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि वे ऊर्जा और पोषण से भरपूर भी होते हैं, जिससे व्रती और भक्तों को शक्ति मिलती है। इस शुभ अवसर पर गुड़ से बने पारंपरिक पकवान बनाना और उनका भोग अर्पित करना मां कालरात्रि को प्रसन्न करने का श्रेष्ठ तरीका माना जाता है। आइए जानते हैं गुड़ से बनने वाले कुछ लोकप्रिय और सरल पकवानों के बारे में, जिन्हें आप नवरात्रि के सातवें दिन पूजा में भोग के रूप में अर्पित कर सकते हैं।

गुड़ की खीर बनाने का सामान

चावल
दूध
गुड़
इलायची
घी
सूखे मेवे

खीर बनाने की विधि

गुड़ की खीर बनाने के लिए सबसे पहले चावलों को थोड़ी देर के लिए भिगो दें। ऐसा करने से चावल फूल जाएंगे। इसे भिगोने के बाद चावलों को पानी में डालकर हल्का सा पका लें। अब एक पतीले में दूध को उबालें और उसमें पके हुए चावलों को डालें। जब खीर गाढ़ी हो जाए तो गैस धीमी करके गुड़ डालें। सबसे आखिर में इस खीर में इलायची पाउडर और घी में भूने हुए ड्राई फ्रूट्स डालकर सर्व करें। ध्यान रखें कि बिना शक्कर के बनी यह खीर सेहतमंद और स्वादिष्ट होती है।

गुड़ की चिक्की बनाने का सामान

गुड़-1 कप
तिल-1 कप
घी-1 चम्मच

चिक्की बनाने का सामान

गुड़ की चिक्की बनाने के लिए सबसे पहले तिल को साफ करके हल्का भून लें ताकि उसका कड़वा स्वाद कम हो जाए और खुशबू बढ़े। मूंगफली को भी अच्छी तरह से भूनकर साइड में रख लें। इसके बाद एक कड़ाही में गुड़ और घी डालकर धीमी आंच पर गुड़ पिघलाएं। अब गुड़ के पूरी तरह पिघलने के बाद उसमें भुना हुआ तिल और मूंगफली डालकर जल्दी से मिलाएं। अब इस मिश्रण को तुरंत चिकनी सतह या घी लगी हुई थाली पर डालकर बेलन से पतला बेल लें। ठंडा होने के बाद इसे मनचाहे आकार में काट लें।

विराट कोहली के गुरु और रणजी विजेता कप्तान मिथुन मन्हास बीसीसीआई के नए बॉस, निर्विरोध चुने गए

घरेलू क्रिकेट के दिग्गज और दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास को निर्विरोध बीसीसीआई अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो 45 वर्ष की आयु में भारतीय क्रिकेट प्रशासन का शीर्ष पद संभालेंगे। मन्हास, जिन्होंने 2007-08 में दिल्ली को रणजी ट्रॉफी जिताई थी, पर अब भारतीय क्रिकेट के प्रदर्शन और विकास को नई दिशा देने की अहम जिम्मेदारी होगी। यह नियुक्ति अन्य प्रमुख पदों के साथ हुई, जिनमें राजीव शुक्ला का उपाध्यक्ष बनना शामिल है।

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की वार्षिक आम बैठक के समापन के बाद, पूर्व क्रिकेटर मिथुन मन्हास को आधिकारिक तौर पर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मन्हास इस पद के लिए निर्विरोध चुने गए, और वह सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी के बाद लगातार तीसरे ऐसे अध्यक्ष बन गए हैं जो स्वयं क्रिकेटर रहे हैं। 45 वर्षीय मन्हास, जिन्होंने रोजर बिन्नी का स्थान लिया है, पर अब भारतीय क्रिकेट प्रशासन को विकास, प्रदर्शन और नवाचार के साथ आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। अध्यक्ष के चुनाव से पहले, शनिवार को हुई बैठक में कोषाध्यक्ष और आईपीएल अध्यक्ष सहित अन्य प्रमुख पदों के उम्मीदवारों पर चर्चा की गई थी। मन्हास इससे पहले जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ के क्रिकेट निदेशक रह चुके हैं।

बीसीसीआई के नए पदाधिकारी

नए अध्यक्ष मिथुन मन्हास के साथ, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई है। राजीव शुक्ला को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो क्रिकेट प्रशासन में व्यापक अनुभव रखते हैं। देवजीत सैकिया मानद सचिव और प्रभतेज सिंह भाटिया संयुक्त सचिव चुने गए हैं। वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी कोषाध्यक्ष ए. रघुराम भट संभालेंगे। इसके अलावा, जयदेव निरंजन शाह को शीर्ष परिषद का एकमात्र सदस्य चुना गया, जबकि अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को शासी परिषद में शामिल किया गया है।

कौन हैं मिथुन मन्हास?

12 अक्टूबर, 1979 को जम्मू और कश्मीर में जन्मे मिथुन मन्हास भारतीय घरेलू क्रिकेट के एक दिग्गज रहे हैं, भले ही उन्होंने कभी राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेला। वह एक दाएँ हाथ के बल्लेबाज थे, जो ऑफ-स्पिन गेंदबाजी करने के साथ-साथ विकेटकीपर की भूमिका भी निभाते थे। अपने 18 साल के प्रथम श्रेणी करियर में, मन्हास ने 157 मैचों में 46 के औसत से लगभग 9,714 रन बनाए, जिसमें 27 शतक शामिल हैं। उन्होंने अक्सर दिल्ली की कप्तानी की और युवा विराट कोहली के पदार्पण के समय भी वह टीम के कप्तान थे। उनका सबसे यादगार सीजन 2007-08 था, जब उन्होंने दिल्ली की कप्तानी करते हुए टीम को लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया। आईपीएल में वह दिल्ली डेयरडेविल्स, पुणे वॉरियर्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे।

उन्हें समझदारी से टूर्नामेंट चुनने होंगे, पीवी सिंधू को साइना नेहवाल की सलाह

एजेंसी

मुंबई। साइना नेहवाल की यह सलाह सिंधु के लिए आने वाले सीजन में अहम साबित हो सकती है। सही टूर्नामेंट चयन और बेहतर तैयारी से सिंधु फिर से अपने करियर के सुनहरे दिनों की तरह लगातार जीत दर्ज कर सकती हैं। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल का मानना है कि पीवी सिंधु को अब टूर्नामेंट चुनने में समझदारी दिखानी होगी। जैसे-जैसे सिंधू 30 की उम्र में पहुंच रही हैं, लगातार हर टूर्नामेंट खेलने का दबाव उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। साइना ने कहा, ऐसा नहीं है कि एक निश्चित उम्र के बाद आप अच्छा नहीं कर सकते। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन आपको उन टूर्नामेंटों पर ध्यान देना होगा जिनमें आप अच्छा करना चाहते हैं।

लगातार टूर्नामेंट खेलना मुश्किल

साइना का कहना है कि रैंकिंग बनाए रखने के लिए सभी टूर्नामेंट खेलना थकाऊ हो सकता है। उन्होंने कहा, आप सभी टूर्नामेंटों में अच्छा नहीं कर सकते क्योंकि यह मुश्किल होता है। इस उम्र में जब आप अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए लगातार इतने सारे टूर्नामेंट खेल रहे होते हैं तो जाहिर है आपको एक निश्चित दौर तक तो पहुंचना ही होगा श साइना का मानना है कि सिंधु को बड़े टूर्नामेंट जैसे विश्व चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, शअगर आप जीतना चाहते हैं जैसे विश्व चैंपियनशिप या एशियाई चैंपियनशिप तो आपको उन टूर्नामेंटों में पूरी ताकत लगानी होगी। **उम्र के साथ बढ़ती चुनौतियां :** साइना ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर की रिकवरी पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा, श्मुझे लगता है कि 28-29 साल की उम्र के बाद शरीर की उबरने की क्षमता काफी धीमी होती है। निश्चित रूप से आपको बहुत कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी, लेकिन पांच दिनों तक हर दिन जोर लगाना आसान नहीं है।

सिंधु की फॉर्म पर नजर

2024-25 का साल सिंधु के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है क्योंकि कई टूर्नामेंटों में वह पहले या दूसरे राउंड में हार गईं।

दुनियाभर के पेशेवरों को कनाडा बुलाने की तैयारी में पीएम कार्नी, कहा- जल्द बढ़िया स्कीम लाएंगे

एजेंसी

ओटावा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से एच-1बी वीजा की फीस 1 लाख डॉलर करने के चलते कई स्किल्ड वर्कर्स (कुशल श्रमिक) का वहां जाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में कनाडा इस हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने शनिवार को लंदन में पत्रकारों से कहा कि वह अमेरिका में काम करने वाले टेक्नोलॉजी सेक्टर के उन लोगों को कनाडा बुलाना चाहते हैं, जो अब वीजा फीस बढ़ने से मुश्किल में पड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा सरकार अपनी आव्रजन नीति की समीक्षा कर रही है और ऐसे कुशल लोगों को अपने यहां बुलाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, उनकी सरकार जल्द ही एक बढ़िया स्कीम लाएगी, जिससे कुशल पेशेवर को कनाडा में आने की सुविधा होगी। विशेषज्ञ बोले- अमेरिका जाने वाले अब कनाडा आएंगे टोरंटो की फर्म पैसेज के सीईओ मार्टिन बसिरी के मुताबिक वे लोग जो एच-1बी के जरिये अमेरिका आने की योजना बना रहे थे अब कनाडा का रुख करेंगे। मध्यम रेंज वाले व्यापारी, जो 1 लाख डॉलर का टैक्स नहीं चुका सकते, वे कनाडा में अपना ऑफिस खोल सकते हैं।

विश्व पर्यटन दिवस: गोवा सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी हितधारक बैठक का आयोजन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। गोवा सरकार ने शनिवार को विश्व पर्यटन दिवस 2025 के अवसर पर राज्य की अब तक की सबसे बड़ी पर्यटन हितधारक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में पर्यटन उद्योग के

दिग्गजों, सरकारी अधिकारियों, छात्रों और स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह आयोजन ट्रैवल एंड टूरिज्म एसोसिएशन ऑफ गोवा (टीटीएजी) और एसकेएएल इंटरनेशनल गोवा के सहयोग से किया गया। यह कार्यक्रम एक महीने तक चली पर्यटन दिवस से जुड़ी गतिविधियों का समापन भी था, जिनका उद्देश्य गोवा के समावेशी और टिकाऊ पर्यटन के नजरिये को प्रदर्शित करना था। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे, पर्यटन निदेशक केदार नाइक, गोवा पर्यटन विकास निगम (जीटीडीसी) के प्रबंध निदेशक कुलदीप अरोलकर और ट्रेवल एंड टूरिज्म एसोसिएशन ऑफ गोवा (टीटीएजी) के अध्यक्ष जैक सुखीजा ने भाग लिया। खाउंटे ने इस अवसर पर कहा, विश्व पर्यटन दिवस उन अनदेखे हाथों के प्रति आभार प्रकट करने का अवसर है जो इस उद्योग को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, हमारा भोजन अतीत और भविष्य के बीच एक सेतु है। विविधताओं का यह सह-अस्तित्व ही गोवा को विशिष्ट बनाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की यह प्रगति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की बदौलत संभव हो पाई है।

भारत ने सातवां सैफ अंडर-17 खिताब जीता पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को हराया

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय टीम ने जरूरी समय पर संयम बनाए रखा। दल्लामुओन गंगटे, कोरोउ मेइतेई कोंथौजम और इंद्र राणा मगर ने शानदार गोल किए। भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को 4-1 से हराकर सातवां सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप खिताब जीता। भारत ने दल्लामुओन गंगटे (चैथे मिनट) और अजलान शाह केएच (38वें मिनट) के गोल की मदद से पहले हाफ में 2-1 की बढ़त बनाई हुई थी लेकिन बांग्लादेश ने आखिरी मिनट में इहसान हबीब रिदुआन के बराबरी के गोल से वापसी कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया जिससे शूटआउट से नतीजा निकला। भारतीय टीम ने जरूरी समय पर संयम बनाए रखा।

आरबीआई की अगली नीति बैठक एक अक्तूबर को, रेपो रेट में कटौती या स्थिरता पर फैसला संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। एक अक्तूबर को होने वाली आरबीआई की बैठक में रेपो रेट से संबंधित मामले पर अहम फैसला होगा।

एसबीआई रिपोर्ट ने 25 बेसिस पॉइंट कटौती का सुझाव दिया है, जबकि विशेषज्ञ रेट स्थिर रहने की उम्मीद जता रहे हैं। फरवरी से अब तक आरबीआई 100 इचे की कटौती कर चुका है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक एक अक्तूबर को होगी, जिसमें रेपो रेट को लेकर बड़ा फैसला लिया जाएगा। इस बार एसबीआई की एक रिपोर्ट ने 25 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की कटौती का सुझाव दिया है, जबकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि आरबीआई मौजूदा रेट को बरकरार रख सकता है। इस साल फरवरी से अगस्त तक आरबीआई ने तीन बार मिलाकर कुल 100 बेसिस पॉइंट की कटौती की है, क्योंकि महंगाई दर कम हो रही है। अगस्त में आरबीआई ने एक बार फिर रेट में कोई बदलाव नहीं किया था और अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक तनावों का असर देखने की नीति अपनाई थी।

क्या कहती एसबीआई रिपोर्ट?

एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि खुदरा महंगाई अगले वित्त वर्ष भी कम रहने की उम्मीद है, इसलिए 25 बीपीएस की कटौती सही कदम होगा। वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का कहना है कि फिलहाल रेट में बदलाव की संभावना कम है और सरकार के निर्यातकों के लिए कोई पैकेज आने पर ही कटौती हो सकती है।

मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का बयान

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने बताया कि जीएसटी के नए दो-स्तरीय ढांचे से महंगाई कम होगी, लेकिन इसके बावजूद एमपीएस अक्तूबर में स्थिरता बरकरार रखेगा। ब्तपेपस के धर्मकीर्ति जोशी का मानना है कि महंगाई कम होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में कटौती के कारण आरबीआई को रेट कम करने की गुंजाइश है। इसके साथ ही एसबीएम बैंक के मंडर पितले ने कहा कि एमबीसी शायद मौजूदा रेट पर कायम रहेगा और दिसंबर में स्थिति के आधार पर बदलाव कर सकता है। आरबीआई की हालिया रिपोर्ट में भी कहा गया है कि फरवरी से अगस्त के दौरान 100 इचे की कटौती का असर बैंकिंग प्रणाली में अच्छी तरह पहुंचा है। कुल मिलाकर, आरबीआई की अगली बैठक में दरों को लेकर सतर्कता और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का ध्यान रखा जाएगा।

यूपी में पंचायत चुनाव से पहले गरमाई सियासत

लखनऊ (संवाददाता)। पंचायत चुनावों से पहले उत्तरप्रदेश की राजनीति एक बार फिर ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ी हो गई है और राजनीतिक दलों के बीच पोस्टर वार शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से लगाए आई लव योगी आदित्यनाथ जी के पोस्टर के जवाब में समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर समा समर्थकों ने आई लव अखिलेश यादव के पोस्टर लगाया है और अपनी एकजुटता दर्शाई है। मिली जानकारी के मुताबिक, उप्र में पोस्टर वार की शुरूआत लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की दो दिवसीय रायबरेली यात्रा के दौरान हुई थी। इस दौरान सपा के प्रदेश सचिव राहुल निर्मल बागी ने ब्रह्मा-विष्णु-महेश के पोस्टर लगा कर सनसनी फैला दी थी। पोस्टर में तेजस्वी, गांधी और यादव को भगवान का दर्जा दिया गया था। पोस्टर में लिखा था कि इंडिया की अंतिम आस, कलयुग के ब्रह्मा, विष्णु , महेश श फोटो में तेजस्वी को भगवान ब्रह्मा का दर्जा और गांधी को भगवान विष्णु का दर्जा दिया गया था, जबकि अखिलेश को भगवान महेश का अवतार बताया गया था। बताया जा रहा है कि इसके बाद सीतापुर जेल से 23 माह बाद रिहा हुए समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान के समर्थन में समर्थकों ने पार्टी कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाकर अपनी निष्ठा जताई थी। सपा नेता मोहम्मद इकलाख की तरफ से लगाए गए इस पोस्टर में लिखा गया था कि आजम लौटे, ये एक नई सुबह की पहचान है, गौर से सुनो...हवाओं में सरकार बदलने का ऐलान है। वहीं पिछले दिनों कानपुर के रावतपुर इलाके में आई लव मोहम्मद के पोस्टर को लेकर उठे विवाद ने राजनीतिक दलों के लिए बूस्टर डोज का काम किया है। बरेली में हुए प्रदर्शन को लेकर सरकार के सख्त रुख को देखते हुए पहले जहां आई लव महादेव के पोस्टर लग रहे थे, वही बीजेपी नेता व युवा मोर्चा के महामंत्री अमित त्रिपाठी ने आई लव श्री योगी आदित्यनाथ जीश और आई लव बुलडोजरश लिखा कर सियासी गर्मी बढ़ा दी है। इन पोस्टरों पर योगी आदित्यनाथ और त्रिपाठी की फोटो लगी है। बीच में बुलडोजर की भी फोटो छपी है। वहीं, सपा कार्यालय के बाहर समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विवेक सिंह यादव की तरफ से लगाये गए आई लव अखिलेश यादव जी के पोस्टर में समाजवादी सरकार के दौरान हुए विकास कार्यों को दशार्या गया है। पोस्टर में अखिलेश के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल रहे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस व एक्सप्रेस पर लड़ाकू विमानों के उतरने व लैपटॉप योजना को जगह दिया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष, डिप्टी सीएम ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी पीएम मोदी की मन की बात

लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 126वें संस्करण को लेकर रविवार को लखनऊ में उत्साह देखने को मिला। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी और पार्टी पदाधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यकताओं संग यह कार्यक्रम सुना और प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। लखनऊ कैंट क्षेत्र के मुरली नगर पार्क के पास स्थित संजय अग्रवाल के आवास पर सुबह 11 बजे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और कार्यकताओं ने मन की बात का सीधा प्रसारण सुना। इस दौरान ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम देश के लिए मार्गदर्शक है और इससे समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा मिलती है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी ने बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-158, रामपुर देवराई में कार्यकताओं के साथ यह कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से वोकल फॉर लोकल, स्वच्छता और खादी को बढ़ावा देने का आह्वान किया है। यह अभियान भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री के संदेश के बाद नेताओं और कार्यकताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्वच्छता अभियान को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

भूपेंद्र चैधरी ने कहा कि गली-मोहल्लों, बाजारों और गांवों को साफ-सुथरा रखने और खादी वस्त्रों को अपनाने से देश की संस्कृति और गौरव को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अमर शहीद भगत सिंह को नमन किया और कहा कि लता मंगेशकर ने भारतीय संगीत को पूरी दुनिया में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वदेशी अभियान को बढ़ावा दे रहे हैं। हम सभी से आग्रह करते हैं कि देश में बने सामान खरीदें और देश में बने सामान का ही प्रचार-प्रसार करें।

राजभवन परिसर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में चला स्वच्छता सेवा पखवाड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में चल रहे स्वच्छता सेवा पखवाड़ा-2025 के तहत राजभवन परिसर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में रविवार को विशेष सफाई अभियान और खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, अध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजभवन स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में सुबह से ही व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। विद्यालय परिसर, कक्षाओं और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। कार्यक्रम में मौजूद अध्यापकों ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें रोजमर्रा के जीवन में स्वच्छता अपनाने का संकल्प दिलाया। सफाई अभियान के बाद बच्चों में उत्साह बनाए रखने के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल के दौरान बच्चों में टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला।

रंगताली गरबा-डांडिया नाइट में किरन दीदी ने दिया प्रेरणादायक संदेश

गोरखपुर। द क्वीन रिजॉर्ट में आयोजित रंगताली गरबा-डांडिया नाइट में किरन

दीदी (सचिव, मंगलामुखी किन्नर जनकल्याण उत्थान संस्थान) ने भी भाग लिया और कार्यक्रम की सराहना की।

किरन दीदी ने कहा—

यह आयोजन बहुत ही प्रेरणादायक है। मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस तरह के कार्यक्रम समाज के दुखों को दूर करने और युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने का काम करते हैं। मैं सभी से यही कहूँगी कि हमेशा आगे बढ़ते रहें और समाज के लिए सकारात्मक कदम उठाते रहें।

उन्होंने आयोजकों को भी बधाई देते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम युवाओं और समाज दोनों के लिए मार्गदर्शक साबित होते हैं।

टीम इंडिया की जीत के लिए यज्ञ, वीएचआरपी ने किया हवन-पूजन

लखनऊ (संवाददाता)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच आज महामुकाबला होगा। इसे लेकर लखनऊ में टीम इंडिया की जीत के लिए यज्ञ किया गया। विश्व हिंदू रक्षा परिषद की ओर से गोमती नगर में भारतीय टीम की जीत के लिए विजय यज्ञ पूजा और हवन किया गया। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने कार्यालय पर भारत की जीत के लिए शंख बजाते हुए प्रार्थना की। संगठन के पदाधिकारी हाथों में तिरंगा और भगवा झंडा लेकर पहुंचे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि भारत की जीत निश्चित हो इसके लिए हम लोग इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। वैसे तो यह मैच भारत ही जीतेगा, मगर हम चाहते हैं कि महादेव की कृपा हो और अगर कुछ कहीं से कमी हो तो वह भी पूरी हो जाए। लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सदस्य बॉबी ने कहा कि पहले ऑपरेशन सिंदूर में पटका था, उसके बाद इस टूनार्मेंट में दो बार पटकनी दे चुके हैं। आज फाइनल में भी पटकेंगे। हम लोग हमेशा से पाकिस्तान को पीटते-पटकते आ रहे हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद महामुकाबले से पहले भारत की जीत के लिए महायज्ञ कर रहा है। हम लोग यह मैच जरूर जीतेंगे। पाकिस्तान जैसे बेशर्म देश को हमेशा से ही मुंहतोड़ जवाब मिला है। हम लोग महायज्ञ मंत्र उच्चारण और अभिषेक कर रहे हैं। हनुमानजी के आशीर्वाद से हमारी जीत निश्चित है। पाकिस्तान कभी भारत से नहीं जीत सकता है।

जीपीओ में लिखित प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। आज रविवार को प्रथम चरण के अंतर्गत लिखित प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन लखनऊ जीपीओ में संपन्न हुआ जिसमे लखनऊ के विभिन्न स्कूल जैसे सेठ आनंदराम जयपुरिया, मॉडर्न स्कूल, नवयुग रेडिएंस, महर्षि विद्या मंदिर, सिटी मांटेसरी स्कूल, बाल विद्या मंदिर, सिटी इंटरनेशनल स्कूल से कक्षा 6,7,8 एवं 9 तक के 124 बच्चों द्वारा सहभागिता की गयी।

पत्नी से की मारपीट कर अश्लील फोटो वायरल करने वाला फायरमैन गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पत्नी के साथ मारपीट और वाट्सऐप पर उसकी अश्लील तस्वीरें वायरल करने के मामले में चिनहट पुलिस ने फायरमैन पवन कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को रविवार सुबह उसके लखनऊ स्थित घर के पास से दबोचा गया। पुलिस ने बताया कि पवन फैजाबाद के रुदौली फायर स्टेशन में तैनात है और इन दिनों लखनऊ के जानकीपुरम गार्डन, सेक्टर श्र में रह रहा था। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता ने 19 सितंबर को चिनहट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि उसका पति पवन सिंह लगातार उसके साथ मारपीट करता था, गाली-गलौज करता था और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। आरोप है कि झगड़े के दौरान पवन ने उसकी अश्लील तस्वीरें लीं और उन्हें वाट्सऐप पर वायरल कर दिया। यही नहीं, उसने जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 67 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 66, 115(2), 351(2), 352 के तहत केस दर्ज किया।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बीच सड़क पलटी, दो गाड़ियों को मारी टक्कर, ड्राइवर सुरक्षित

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गुडंबा में थाना क्षेत्र के खुर्रम नगर फ्लाईओवर पर एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो कई गाड़ियों में टक्कर मारकर पलट गई। गनीमत रही हादसे में कोई गंभीर घायल नहीं हुआ। कार सवार को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। रविवार दोपहर करीब 1 बजे मुंशी पुलिया से टेढ़ी पुलिया की तरफ जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो खुर्रम नगर फ्लाईओवर पर अनियंत्रित होकर पलट गई। वहां मौजूद लोगों की मानें तो स्कॉर्पियो चालक ने पहले दो गाड़ियों में हल्की टक्कर मारी। इसके बाद दीवार से टकराकर पलट गई। कार ड्राइवर को गाड़ी से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले में पुलिस का कहना है किसी को चोट नहीं आई है।

गोरखपुर में रंगताली गरबा-डांडिया नाइट का भव्य आयोजन

- हर्ष केसरी, शांति भवानी, सुधा मोदी और किरन दीदी ने सराहा आयोजन
- सेलिब्रिटी गेस्ट हर्ष केसरी और आरजे ज्योति सिंह ने बढ़ाया कार्यक्रम का आकर्षण

गोरखपुर। द क्वीन रिजॉर्ट में आयोजित रंगताली गरबा-डांडिया नाइट इस बार गोरखपुर का सबसे बड़ा डांडिया आयोजन साबित हुआ। शहर ही नहीं, दूर-दराज से आए लोगों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया और देर रात तक गरबा-डांडिया की धुनों पर झूमते नजर आए। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि खजनी ब्लॉक प्रमुख अंशू सिंह अपनी पूरी टीम के साथ मौजूद रहीं। वहीं भाजपा महिला मोर्चा उपाध्यक्ष डॉ. इंदुमती सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता किरन दीदी (सचिव, मंगलामुखी किन्नर जनकल्याण उत्थान संस्थान), और शांति भवानी (काउंसलर, ह्यूमन ट्रैफिकिंग महिला हेल्पलाइन, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता), सुधा मोदी ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान शहर के सम्मानित लोग और बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। आयोजन की जिम्मेदारी ब्राइट इवेंट्स के डायरेक्टर विकास शर्मा ने संभाली। इस अवसर पर एस आई न्यूज, शिवी न्यूज, आरोही समाचार, ज्योति टीवी, प्राची न्यूज, द खबर वाला सहित अन्य मीडिया पार्टनर्स को उनके सहयोग के लिए सम्मानित भी किया गया। गरबा-डांडिया नाइट की शानदार शाम को और खास बनाया कोरियोग्राफर्स-अलेक्स, अविनाश, अंकुर, आशीष, आकाश, अनमोल, नितीश, अमित, अनन्या, अश्वनी, गौरव, समीर, सुमित, अभिषेक, विकास और मुस्कान झ की मेहनत ने। कार्यक्रम के सेलिब्रिटी गेस्ट हर्ष केसरी ने भी मंच पर आकर खूब आनंद लिया। वहीं DJ एनी के गानों पर गोरखपुरवासी देर रात तक थिरकते रहे। इस दौरान एंकरिंग की जिम्मेदारी आरजे ज्योति सिंह ने संभाली और अपनी दमदार आवाज से पूरे कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा।

आयोजक विकास शर्मा ने साझा किया अनुभव विकास शर्मा (ब्राइट इवेंट्स डायरेक्टर) ने कहा—

"हमारा उद्देश्य गोरखपुर में एक ऐसा आयोजन करना था, जो लोगों को जोड़ें और पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा दे। मीडिया और दर्शकों का सहयोग इस आयोजन की सफलता में अहम रहा। मैं सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएँ देता हूँ और भविष्य में ऐसे आयोजन और भी भव्य रूप से करने की योजना बना रहा हूँ।"

रंगताली गरबा-डांडिया नाइट में सेलिब्रिटी गेस्ट हर्ष केसरी ने लूटी महफिल

गोरखपुर। द क्वीन रिजॉर्ट में आयोजित रंगताली गरबा-डांडिया नाइट में डांस प्लस सीजन 6 के विजेता और सेलिब्रिटी गेस्ट हर्ष केसरी ने अपनी मौजूदगी से कार्यक्रम को खास बना दिया। गोरखपुर की जनता ने उनका जोरदार स्वागत किया और हर्ष ने भी इस स्नेह को खुले दिल से स्वीकार किया।

प्रेसवार्ता में हर्ष केसरी ने कहा कि गोरखपुर आकर उन्हें बेहद अच्छा अनुभव हुआ। उन्होंने कहा—

यहाँ के लोग बहुत ही अच्छे हैं और प्यार से मिलते हैं। गोरखपुर में पहली बार आया हूँ और लोगों के व्यवहार ने मेरा दिल जीत लिया।

डांडिया नाइट के आयोजन को लेकर उन्होंने आयोजकों की जमकर तारीफ की। हर्ष ने कहा—

यहाँ का ऑगेर्नाइजेशन बहुत अच्छा है। लोगों की देखभाल की जा रही है, डांडिया की बेहतरीन व्यवस्था की गई है और सबसे बड़ी बात यह है कि हर किसी को डांस और डांडिया करने के लिए खुला स्पेस दिया गया है। यह मुझे सबसे खास लगा।

कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने रंगताली की ओर से सभी दर्शकों और प्रतिभागियों को नवरात्रि की शुभकामनाएँ देते हुए कहा—

हैप्पी नवरात्रि टू ऑल ऑफ यू।

मिशन शक्ति अभियान में उप जिलाधिकारी व एसीपी बारा की अनूठी पहल, क्षेत्रवासियों ने की सराहना

रिपोर्टर-मनीष सुसारी, प्रयागराज

प्रयागराज (बारा)। बारा तहसील क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान के तहत लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों की कमान उप जिलाधिकारी बारा प्रेरणा गौतम और एसीपी बारा कुंजलता ने संभाल रखी है।

दोनों अधिकारी लगातार महिलाओं, छात्राओं और बालिकाओं को जागरूक करने के साथ-साथ महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दे रही हैं। इसके अलावा, छात्राओं की उत्कृष्ट प्रस्तुति पर उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा रहा है। इस अनूठी पहल को लेकर क्षेत्र में खूब चर्चा है। ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों का कहना है कि उप जिलाधिकारी और एसीपी द्वारा किए जा रहे कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। लोग उनकी इस पहल को सलाम करते हुए आभार व्यक्त कर रहे हैं।

समाज और संस्कृति को जोड़ने वाला रंगताली नाइट-सुधा मोदी

गोरखपुर। द क्वीन रिजॉर्ट में आयोजित रंगताली गरबा-डांडिया नाइट में समाजसेविका सुधा मोदी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कार्यक्रम की सराहना की।

सुधा मोदी ने कहा—

मुझे यह आयोजन अद्भुत लग रहा है। यहाँ मीडिया का सहयोग और लोगों के चेहरे पर मुस्कान देखकर बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। गरबा नाइट में लोग दिल से भाग ले रहे हैं और माँ दुर्गा के इस प्रांगण में यह आयोजन होना चाहिए। लोग आपस में मिलजुल कर डांडिया कर रहे हैं और यह माहौल बेहद सुंदर और खुला है। मैं आयोजकों और प्रतिभागियों को ढेर सारी शुभकामनाएँ देती हूँ। माँ दुर्गा का आशीर्वाद सभी पर बना रहे।

सुधा मोदी ने आगे कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन समाज में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का काम करते हैं और युवाओं को परंपराओं से जोड़ते हैं।

युवती की मौत पर मां ने ससुराल पक्ष के 4 लोगों पर दर्ज कराया मुकदमा, दो गिरफ्तार

रिपोर्टर-मनीष सुसारी, प्रयागराज

प्रयागराज। यमुनानगर तहसील बारा (कौंधियारा) में दहेज हत्या के एक मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान नितेश शुक्ल (27 वर्ष) पुत्र अवधेश शुक्ल और अवधेश शुक्ल (51 वर्ष) पुत्र स्व. जगतनारायण शुक्ल, निवासी ग्राम कौंधियारा, के रूप में हुई है। दोनों को पुलिस ने कैथा पुलिया के पास से दबोचा। मृतका की मां द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर कार्रवाई की गई। तहरीर में ससुराल पक्ष के 4 लोगों पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। शिकायत के अनुसार, मृतका से दहेज में चारपहिया वाहन और दो लाख रुपये की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता था और फांसी पर लटकाने की धमकी दी जाती रही। थाना प्रभारी कौंधियारा कुलदीप शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और अन्य परिजनों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि दहेज उत्पीड़न और महिला हिंसा से जुड़े मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति पर काम किया जा रहा है। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना प्रभारी ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि यदि कहीं दहेज मांग या घरेलू हिंसा जैसी घटनाएं होती हैं तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि पीड़िताओं को न्याय दिलाया जा सके और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई की जा सके। इस त्वरित कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने पुलिस की प्रशंसा की है। उनका कहना है कि ऐसे कदम समाज में अपराधियों के लिए सख्त संदेश देते हैं और पीड़ित परिवारों को न्याय की उम्मीद मिलती है।

रंगताली गरबा-डांडिया नाइट में शांति भवानी की गरिमामयी मौजूदगी

गोरखपुर। द क्वीन रिजॉर्ट में आयोजित रंगताली गरबा-डांडिया नाइट न केवल सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा बल्कि इसमें सामाजिक कार्यकर्ताओं की गरिमामयी मौजूदगी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर शांति भवानी (काउंसलर, ह्यूमन ट्रैफिकिंग महिला हेल्पलाइन एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता) ने आयोजन की जमकर सराहना की।

शांति भवानी ने आयोजक विकास शर्मा को बधाई देते हुए कहा—

इस तरह के आयोजन हर साल होते रहें, यही माता रानी से प्रार्थना है। रंगताली जैसे आयोजन समाज को एकजुट करते हैं और युवाओं को सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ते हैं। मैं आयोजकों को शुभकामनाएँ देती हूँ कि ऐसे ही कार्यक्रम आगे भी होते रहें और हर साल और भी भव्य रूप में आयोजित किए जाएँ।

उन्होंने आगे मीडिया की भूमिका को अहम बताते हुए कहा—

किसी भी कार्यक्रम की सफलता में मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान होता है। आज रंगताली गरबा-डांडिया नाइट को सफल बनाने में भी मीडिया का विशेष सहयोग रहा। मैं सभी मीडिया संस्थानों को धन्यवाद देती हूँ और दशहरा व नवरात्रि की ढेर सारी शुभकामनाएँ देती हूँ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के सम्मानित लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे। गरबा और डांडिया की धुन पर झूमते लोगों ने नवरात्रि उत्सव को और खास बना दिया।

Grand Rangtali Garba-Dandiya Night Held in Gorakhpur

● Harsh Kesari, Shanti Bhawani, Sudha Modi, and Kiran Didi Applaud the Event

● Celebrity Guests Harsh Kesari and RJ Jyoti Singh Add to the Festivity

Gorakhpur | The Rangtali Garba-Dandiya Night, held at The Queen Resort, turned out to be the biggest Dandiya event in Gorakhpur this year. People from the city as well as distant areas enthusiastically participated, dancing to the beats of Garba and Dandiya late into the night.

The event was graced by Khajani Block Head Anshu Singh, who attended with her entire team. Also present were BJP Mahila Morcha Vice President Dr. Indumati Singh, social worker Kiran Didi (Secretary, Mangalamukhi Kinnar Welfare Development Organization), Shanti Bhawani (Counselor, Human Trafficking Women Helpline and Senior Social Worker), and Sudha Modi, who all added dignity to the occasion.

A large number of city dignitaries and spectators were present. The event was organized by Vikas Sharma, Director of Bright Events. Media partners, including SI News, Shivi News, Aarohi Samachar, Jyoti TV, Prachi News, and The Khabar Wala, were also honored for their support.

The spectacular evening of Garba-Dandiya was made even more special by the hard work of choreographers Alex, Avinash, Ankur, Ashish, Akash, Anmol, Nitish, Amit, Ananya, Ashwani, Gaurav, Sameer, Sumit, Abhishek, Vikas, and Muskaan.

Celebrity guest Harsh Kesari enjoyed the event on stage, while DJ Anni's music kept the Gorakhpur crowd dancing late into the night. RJ Jyoti Singh hosted the event, keeping the energy alive with her powerful voice.

Organizer Vikas Sharma Shares His Experience

Vikas Sharma (Director, Bright Events) said—""Our aim was to organize an event in Gorakhpur that brings people together and promotes traditional culture. The support of media and the audience was crucial to its success. I wish everyone a Happy Navratri and plan to organize even grander events in the future."

Shanti Bhawani Graces Rangtali Garba-Dandiya Night in Gorakhpur

Gorakhpur | The Rangtali Garba-Dandiya Night held at

The Queen Resort was not only a celebration of cultural colors but was also enhanced by the dignified presence of social workers. On this occasion, Shanti Bhawani (Counselor, Human Trafficking Women Helpline and Senior Social Worker) praised the event for its organization and impact.

Shanti Bhawani congratulated the organizer Vikas Sharma and said—

I pray to Mata Rani that such events continue every year. Events like Rangtali bring society together and connect young people with our cultural traditions. I wish the organizers all the best and hope such programs continue to grow bigger and grander every year."

She further emphasized the role of media, stating—""Media plays a crucial role in the success of any event. The Rangtali Garba-Dandiya Night was made successful due to the special support of media partners. I thank all media organizations and extend my warm wishes for Dussehra and Navratri."

The event was attended by a large number of city dignitaries, social workers, and youth. People danced to the beats of Garba and Dandiya, making the Navratri celebrations even more memorable.

Organizer Vikas Sharma Expresses Excitement Over Rangtali Garba-Dandiya Night

Gorakhpur | Vikas Sharma, the organizer of the Rangtali Garba-Dandiya Night held at The Queen Resort, expressed

his happiness over the success of the event. He thanked the audience and media for their immense support and shared insights about the preparation and organization of the festival.

Vikas Sharma said—""We have experience organizing other events, but this time we decided to host our own Dandiya Night under the Bright Events banner. It was a personal passion, and with everyone's support, it became a reality. The large turnout was truly a source of happiness for us."

He added—""The support of media channels and journalist partners was crucial in making this event successful. Without your support and the efforts of our team, it would not have been possible to engage such a large number of participants. Navratri is a sacred festival, and I hope that each year these events grow even grander."

Vikas Sharma also stated that his goal is to promote enthusiasm and traditional cultural values in society through such cultural events.

Talks on Ladakh hit a wall as Leh body pulls out, Kargil to follow

The Apex Body, Leh (ABL), which was supposed to hold informal talks with the Centre on Tuesday followed by structured discussions on October 6, has pulled out of both, citing the current situation in Ladakh and a "negative" campaign against its agitation seeking Sixth Schedule status and statehood for the region. Asked about the ABL stand, Kargil Democratic Alliance (KDA) member Sajjad Kargili told The Indian Express that their position "is the same". The KDA is leading the agitation for Sixth Schedule and statehood on the Kargil side. Soon after the ABL's announcement, the Centre said it was open to talks with the ABL and KDA through the High Powered Committee on Ladakh or any such platform "at any time" and hoped for a desired result "in the near future". The dialogue mechanism through the committee, it said, had yielded good results in the form of increased reservations for the Scheduled Tribes of Ladakh, providing women's reservation in Ladakh Autonomous Hill Development Council (LAHDC) and protection to local languages. Addressing the issue of jobs, seen as the prime reason for the protesters' anger, the Centre said: "The process of recruitment for 1,800 posts in the government has already commenced." At its press conference, the ABL said that until there is an impartial inquiry into the killing of four youths during the violent September 24 protests, and all the youngsters jailed for the protests are released, there would be no talks with the Centre. Around 50 people have been rounded up since September 24 over the violence, with climate activist Sonam Wangchuk arrested under the stringent National Security Act. "We were supposed to leave for Delhi today for (informal) talks… But, we have unanimously decided that given the current atmosphere in Ladakh, till the time peace and normalcy is restored.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।